>

Title: Increasing number of incidents of dishonouring of National Emblem in the country.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। पिछले कुछ समय से देखने को मिला है कि देश की आन-बान और शान के प्रतीक हमारे राष्ट्रीय चिन्हों का अपमान हो रहा है या फिर आस्था के साथ सीधा-सीधा खिलवाड़ हो रहा है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत असहमति को भी लोकतंत्र में जगह होती है। इसके लिए हर व्यक्ति को मौलिक स्वतंत्रता के अधिकार दिये गये हैं। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर जब उस स्वतंत्रता का दुरुपयोग होकर उसे उच्छृंखलता का स्वरूप दिया जाने लगता है, तो कभी-कभी वह स्वतंत्रता के लिए भी खतरा पैदा कर लेता है और यही वर्तमान में हो रहा है। कश्मीर में पीडीपी के द्वारा जो कुछ भी राष्ट्र की एकता के साथ किया जा रहा है वह किसी से छिपा नहीं है।

इस देश में कुछ लोगों के द्वारा अपनी कलाकृति के नाम पर हिंदू देवी-देवताओं के जिस प्रकार के नग्न चित्र बनाए जाते हैं और उसे कला का स्वरूप दिया जाता है, उस शर्मनाक स्थिति को भी सबने देखा है। अभी परसों की स्थिति है और चार महीने पहले भी ऐसा दिल्ली में हुआ था। एक महिला...* जो अपने को आधुनिक कहती है, उसका कोई कार्यक्रम जेएनयू में था।

सभापति महोदया : आप बिना नाम के बोलें। मैं आपकी भावना समझ गयी हूं।

योगी आदित्यनाथ : उस कार्यक्रम में भारत के राष्ट्रीय चिन्ह को जूते के तले के नीचे बनाया गया था, जोकि अत्यंत शर्मनाक है, राष्ट्रीय चिन्ह का अपमान है, राष्ट्र के प्रतीकों का अपमान है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि किसी भी प्रकार के राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान करना, आस्था के प्रतीकों पर किसी प्रकार का प्रहार होना।...(व्यवधान)सरकार इसका संज्ञान ले और इस प्रकार की किसी भी दुप्रवृत्ति पर सख्ती से रोक लगाएं। आपने मौका दिया, धन्यवाद।

MADAM CHAIRMAN : The name will not go on record.

...(*Interruptions*)

सभापति महोदय : आप अपना नाम संलग्न कराना चाहते हैं तो करा सकते हैं। इस पर सभी का बोलना आवश्यक नहीं है। आप लिखकर दे दें, आपका नाम एसोसिएट कर लिया जाएगा।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : श्री जगदम्बिका पाल जी, श्री अर्जुन मेघवाल जी का नाम योगी आदित्य ऩाथ जी के विषय के साथ एसोसिएट किया जाता है।